दैनिक भारत कि
# तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२९३ वा | शनिवार २४ मे २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

## नागपुर घोटाले में आष्टी की पूर्व गटशिक्षणाधिकारी वैशाली जामदार गिरफ्तार, बीड की भर्ती भी जांच के दायरे में

बीड, २३ मई २०२५ -

नागपुर में चल रहे बोगस शिक्षक भर्ती और 'शालार्थ आईडी' घोटाले के सिलसिले में आष्टी की पूर्व गटशिक्षणाधिकारी वैशाली जामदार की गिरफ्तारी से शिक्षा विभाग में खलबली मच गई है। जामदार की गिरफ्तारी के बाद अब बीड जिले की भर्ती प्रक्रिया भी जांच के रडार पर आ गई है।

सूत्रों के अनुसार, नागपुर में शिक्षक भर्ती और शालार्थ प्रणाली के दुरुपयोग के मामले की जांच तेज़ी से जारी है। इस बहुचर्चित घोटाले में अब तक कई अधिकारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उल्हास नरड सहित कुछ आरोपियों को पहले ही जमानत मिल चुकी है, जबकि हाल ही में सेवानिवृत्त उपसंचालक अनिल पारधी को भी न्यायालय से जमानत मिली है।

जांच में सामने आया है कि इस घोटाले में फर्जी शालार्थ आईडी तैयार कर ऐसे शिक्षकों और शिक्षकेतर कर्मियों को वेतन दिया गया जो इसके पात्र ही नहीं थे। इस मामले में वेतन अधीक्षक नीलेरा वाघमारे को निलंबित किया गया है, लेकिन चौकशी रिपोर्ट में नाम सामने आने के बावजूद अब तक उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया है।

इसके अलावा फर्जी नियुक्तिपत्र, नकली पदोन्नति, शिक्षकों को अवैध मान्यता देने और शासन को गुमराह करने के गंभीर आरोप वैशाली जामदार पर लगाए गए थे। उन्हें पहले जांच नोटिस भी जारी किया गया था, लेकिन कोई कठोर कार्रवाई नहीं हुई थी। अंततः शुक्रवार को वैशाली जामदार को गिरफ्तार कर लिया गया, जिससे समूचे शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है।

# बीड में आज भव्य तिरंगा रैली का आयोजन, सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट होंगे मुख्य अतिथि

बीड, २४ मई । प्रतिनिधि विशेष

**सीमा पार से बार-बार होने वाले कायरतापूर्ण हमलों का भारतीय सेना ने जिस बहादुरी से जवाब दिया है, वह केवल युद्ध नहीं, बल्कि भारतमाता के वीर सपूतों की लिखी गई एक शौर्यगाथा है। इसी अद्वितीय वीरता को सलाम करने और देश के लिए बलिदान देने वाले शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए बीड शहर में आज २४ मई २०२५ को सुबह १० बजे देशभक्ति से ओतप्रोत भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया है।**

इस ऐतिहासिक रैली में महाराष्ट्र राज्य के सामाजिक न्याय मंत्री मा. संजयजी शिरसाट प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। रैली की शुरुआत भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पण से होगी। इसके बाद रैली सुभाष रोड होते हुए छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा तक जाएगी, जहां अभिवादन किया जाएगा। अंत में सीमावर्ती क्षेत्रों में मातृभूमि के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर जवानों को सामूहिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए रैली का समापन होगा।

इस रैली में हज़ारों युवा मोटरसाइकिलों पर तिरंगा झंडा हाथों में लेकर शामिल होंगे। यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जवानों के शौर्य को नमन और राष्ट्र की एकता को सशक्त करने वाली जनचळवळ (जनआंदोलन) बनकर उभरेगा।

### वीर जवानों के सम्मान में, आइए एक हों देश के नाम-जगताप, मुळूक, गलधर

देश की मिट्टी के लिए, अपने बच्चों और भविष्य के लिए हमारे वीर सैनिक अपने प्राणों

की आहुति देते हैं। ऐसे वीरों को हम सभी को जागरूक भारतीय नागरिक के नाते एकजुट होकर नमन करना चाहिए। यह तिरंगा रैली सैनिकों के बलिदान को याद करने और उनके शौर्य की गाथा गाने का एक पवित्र क्षण होगी।

इसलिए शिवसेना जिला प्रमुख अनिलदादा जगताप, सचिन मुळूक और स्वप्निल गलधर ने तमाम बीडवासियों से अपील की है कि वे इस रैली में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर सैनिकों के प्रति अपनी श्रद्धा और एकता का प्रदर्शन करें।

## तेज़ बारिश की संभावना के चलते महावितरण हाई अलर्ट पर-सीएमडी लोकेश चंद्र

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

अरब सागर में बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण महाराष्ट्र में आगामी तीन से चार दिनों तक तेज़ हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश की संभावना जताई गई है। इस स्थिति को देखते हुए महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी (महावितरण) ने अपनी संपूर्ण व्यवस्था को 'हाई अलर्ट' पर रख दिया है। साथ ही, बारिश के इस मौसम में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आपातकालीन योजना भी तैयार की गई है।

महावितरण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्र ने शुक्रवार को राज्यभर की विद्युत आपूर्ति स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि प्राकृतिक आपदा के चलते बाधित हुई बिजली आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ तुरंत बहाल किया जाए। उन्होंने मुख्यालय और सभी मंडल स्तरों पर २४७ आपातकालीन नियंत्रण कक्षों की तुरंत स्थापना करने के आदेश भी दिए। साथ ही, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बिना पूर्व अनुमति के कोई भी अधिकारी मुख्यालय न छोड़े। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस बैठक में महावितरण के संचालन निदेशक सचिन तालेवार सहित राज्य के सभी मुख्य अभियंता और अधीक्षण अभियंता उपस्थित थे।

गौरतलब है कि इस वर्ष मानसून के आगमन से पूर्व ही राज्य के कई हिस्सों में रोज़ाना तेज़ हवाओं और भारी वर्षा का सिलसिला जारी है। वर्तमान में कम दबाव का क्षेत्र अरब सागर में स्थिर है, पर उसके प्रभाव से कोकण, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और विदर्भ के अनेक जिलों में मूसलाधार बारिश की संभावना है। इसी पृष्ठभूमि में यह समीक्षा बैठक बुलाई गई थी।

लोकेश चंद्र ने कहा कि यदि किसी क्षेत्र में बिजली बाधित होती है, तो उसे जल्द से जल्द बहाल करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। जहां मरम्मत कार्य में समय लगने की संभावना हो, वहां उपभोक्ताओं को एसएमएस, व्हाट्सएप ग्रुप्स, ट्विटर, सोशल मीडिया और मीडिया के माध्यम से तुरंत सूचना दी जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बिजली आपूर्ति संभव होने के बावजूद समय पर बहाल नहीं हुई, तो उसकी गंभीरता से जांच की जाएगी और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। क्षेत्रीय वरिष्ठ अभियंताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे स्वयं मौके पर जाकर गंभीर तकनीकी खामियों की मरम्मत कार्यों को तेज़ करें। महावितरण के किसी भी कर्मचारी को बिना पूर्व अनुमति मुख्यालय छोड़ने की सख्त मनाही की गई है। शुक्रवार से ही मुख्यालय और राज्यभर के आपातकालीन नियंत्रण कक्षों का कामकाज शुरू कर दिया गया है।

## बीड जिला केवल दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं से नहीं, बल्कि अच्छी बातों से भी प्रसिद्ध है: पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर

बीड, २३ मई । विशेष प्रतिनिधि

बीड जिला कलाकारों की भूमि है। इस जिले की कई नामचीन हस्तियों ने अपने कार्यों से बीड का नाम रोशन किया है। कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं को छोड़ दें, तो बीड जिला सकारात्मक बातों के लिए भी अच्छी तरह जाना जाता है, ऐसा वक्तव्य पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर ने दिया।

वे बीड जिले के कचरवाडी निवासी डॉ. महेशकुमार वनवे द्वारा निर्मित मराठी फिल्म वामा लढाई सन्मानाची' के भव्य प्रीमियर कार्यक्रम में तनिष्का सिनेमाघर, अंबाजोगाई में बोल रहे थे।

इस कार्यक्रम में विधायक विजयराजे पंडित, पूर्व विधायक बदामराव पंडित, ॲड. उषाताई दराडे, सुभाष सारडा, अनिल जगताप, विनोद मुळूक, ज्योतीताई मेटे, अरुण डाके, विलास बडगे, सुधाकर मिसाळ, नितीन धांडे, संगीता धसे, नवनाथ शिराळे, अभय कोटेचा, गौतम खटोड, शुभम धूत, सुहास पाटील आदि गणमान्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम का प्रस्ताविक भाषण लोकाशा के संपादक विजय बंब ने किया, वहीं डॉ. महेशकुमार वनवे ने अपने वक्तव्य में कहा कि उन्होंने अब तक भोजपुरी सिनेमा में कार्य किया है, लेकिन यह उनका पहला मराठी सिनेमा है। उन्होंने बताया कि जब वे मुंबई गए थे, तब जयदत्त क्षीरसागर ने उन्हें मार्गदर्शन और सहयोग दिया। उन्होंने कहा कि अब उनका ध्यान मराठी फिल्मों पर रहेगा।

अपने संबोधन में जयदत्त क्षीरसागर ने कहा कि यह फिल्म वामा लढाई सन्मानाची' शुक्रवार को राज्य के सैकड़ों सिनेमाघरों में एक साथ प्रदर्शित हो रही है, जो दर्शकों की शुभेच्छाओं का प्रमाण है। उन्होंने कहा, महेश वनवे जब मुंबई गए थे, तभी मैंने कहा था - चिंता मत कर, तू कचरवाडी की पहाड़ियों से निकला है और तू कैलिफोर्निया तक पहुंचेगा।

उन्होंने आगे कहा कि, आज समाज में दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएँ हो रही हैं, जो मानवता पर धब्बा हैं, लेकिन बीड जिला सकारात्मक बातों में कहीं आगे है। यह जिला विविधताओं से भरा हुआ है और अब स्त्री-पुरुष का भेदभाव भी मिट रहा है।

उन्होंने पंढरपुर के विठोबा और रखुमाई के संदर्भ से बताया कि शक्ति और भक्ति दोनों को साथ लेकर ही समाज को दिशा मिलती है। उन्होंने सुनीता विलियम्स का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने ९ दिन अंतरिक्ष में रहकर ९ महीनों के संघर्ष के बाद पृथ्वी पर वापसी की - यह स्त्रीशक्ति की मिसाल है। फिल्म की कहानी भी स्त्रीशक्ति पर आधारित है और सभी को इससे प्रेरणा लेनी चाहिए, ऐसा उन्होंने कहा। कार्यक्रम के अंत में जयदत्त क्षीरसागर ने फिल्म का आधे घंटे तक अवलोकन कर उसकी सराहना की।

## पवनचक्की परिसर में गोली लगने से युवक की मौत, सुरक्षा रक्षक ने दी पुलिस को जानकारी, मृतक तुळजापूर का निवासी

बीड प्रतिनिधि

बीड जिले के मांजरसुंबा-पाटोदा मार्ग स्थित महाजनवाडी शिवार में पवनचक्की के पास गोली लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। शुक्रवार सुबह यह खबर आग की तरह फैल गई और पवनचक्की क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक घटनाओं को लेकर एक बार फिर चर्चाएं शुरू हो गईं।

हालांकि, शुरू में सामने आई खबरों से अलग जानकारी पुलिस ने दी है। पुलिस के अनुसार, यह घटना सुरक्षा रक्षक की गोली से हुई और इसी रक्षक ने खुद थाने में आकर इसकी सूचना दी। मृतक की पहचान तुळजापूर निवासी के रूप में हुई है, जिसके सिर में गोली लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मांजरसुंबा क्षेत्र में बड़ी संख्या में पवनचक्कियां और उनसे संबंधित उपकरणों के गोदाम हैं। महाजनवाडी शिवार की एक पवनचक्की के पास शुक्रवार सुबह गोली लगने से एक व्यक्ति की मौत की खबर फैलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

नेकनूर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कर शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस के अनुसार, २३ तारीख की रात तीन से चार व्यक्ति पवनचक्की के कंपाउंड के पास देखे गए थे। वहां तैनात सुरक्षा रक्षक रूपचंद शिग (निवासी पाटोदा) ने उन्हें रुकने की चेतावनी दी।

सुरक्षारक्षक ने बताया कि इनमें से एक व्यक्ति सुरक्षा दीवार पर चढ़ गया और उसके हाथ में लोहे की रॉड थी। उस व्यक्ति ने रॉड फेंककर हमला करने की कोशिश की। इससे बचने के लिए सुरक्षा रक्षक ने उसके पैर पर गोली मारने की कोशिश की, लेकिन गोली सीधे सिर में लग गई जिससे वह व्यक्ति दीवार से नीचे गिर पड़ा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

इस घटना के बाद मृतक के साथ मौजूद अन्य तीन युवक वहां से फरार हो गए। सुबह सुरक्षा रक्षक ने पुलिस थाने जाकर घटना की पूरी जानकारी दी।

घटना के बाद बीड ही नहीं, राज्य भर में इसकी चर्चा शुरू हो गई थी। दोपहर तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई थी। शाम को पुलिस ने बताया कि मृतक तुळजापूर का निवासी राजू उर्फ टिप्या विष्णू काळे (उम्र ३५) है। पुलिस ने बताया कि इस प्रकरण में अपराध दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

## वैष्णवी हगवणे की संदिग्ध मृत्यु पर शिवसेना ने जताया पुलिस जांच पर संदेह, डीजी को सौंपा ज्ञापन

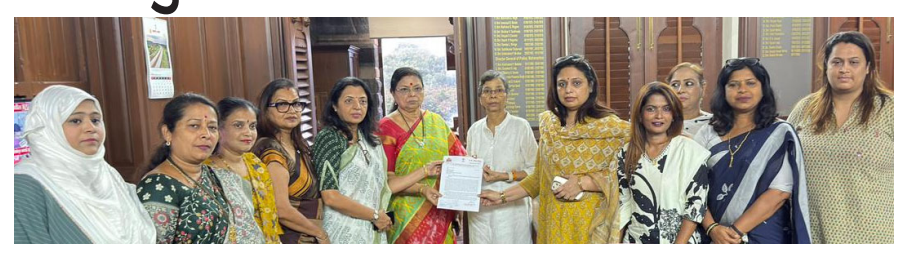

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

पुणे ज़िले के भुकुम (ता. मुळशी) क्षेत्र में वैष्णवी शशांक हगवणे की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत और उसके पीछे के कथित पारिवारिक उत्पीड़न के मामले में पुलिस जांच को लेकर शिवसेना ने गंभीर आपत्ति जताई है। शिवसेना का आरोप है कि चूंकि आरोपी का संबंध एक राजनीतिक दल से है, इसलिए पुलिस जांच में जानबूझकर लापरवाही और देरी बरती जा रही है।

इस संबंध में महिला शिवसेना की ओर से महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक रश्मी शुक्ला को शुक्रवार को एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मांग की गई है कि मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की जाए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) के मुळशी तालुका प्रमुख राजेंद्र, उनकी दो पत्नियाँ और बेटी पर आरोप है कि उन्होंने वैष्णवी पर अमानवीय शारीरिक हमला और मानसिक उत्पीड़न किया, जिसके चलते उसने आत्महत्या कर ली। घटना को एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई थी। मीडिया में आलोचना के बाद पुलिस हरकत में आई।

महिला शिवसेना द्वारा दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि वैष्णवी के परिवार वालों ने इस घटना को आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या करार दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी वैष्णवी के शरीर पर हमले के साफ निशान पाए गए हैं। परिवार का आरोप है कि २ करोड़ रुपये की मांग को लेकर उसकी हत्या की गई।

मृत्यु से पूर्व वैष्णवी ने राज्य महिला आयोग और स्थानीय पुलिस थाने में अपने ऊपर हो रहे मानसिक और शारीरिक अत्याचार की शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन समय रहते कार्रवाई न होने के कारण उसकी जान चली गई, ऐसा आरोप उसके परिवार ने लगाया है।

इतना ही नहीं, मृतक वैष्णवी की बड़ी जेठानी पर भी ससुरालवालों द्वारा मारपीट और प्रताड़ना की जा रही है, इसलिए उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन को लेनी चाहिए।

स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि आरोपी के राजनीतिक संबंधों के चलते पुलिस उन पर कड़ी कार्रवाई से बच रही है। शिवसेना ने मांग की है कि किसी भी राजनीतिक दबाव में आए बिना इस मामले में भारतीय दंड संहिता की कठोर धाराओं के अंतर्गत दोषियों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जाए।

ज्ञापन में कहा गया है कि यदि वैष्णवी को न्याय नहीं मिला तो यह एक खतरनाक संकेत होगा और समाज में इस तरह की प्रताड़ना की घटनाओं को बल मिलेगा।

इस शिष्टमंडल में शिवसेना नेत्री मीना कांबळी, पार्टी सचिव व प्रवक्ता विधायक मनीषा कायंदे, उपनेत्री व प्रवक्ता शीतल म्हात्रे, उपनेत्री तृष्णा विश्वासराव और संध्या दोशी शामिल थीं।

## राजस्थान: बीजेपी विधायक कंवरलाल मीणा की विधानसभा सदस्यता रद्द, २० साल पुराने मामले में मिली सजा

अजमेर, २३ मई २०२५ - राजस्थान विधानसभा के अंता क्षेत्र से भाजपा विधायक कंवरलाल मीणा की सदस्यता रद्द कर दी गई है।

यह निर्णय एक २० साल पुराने मामले में उन्हें तीन साल की सजा मिलने के बाद लिया गया है, जिसमें उन्होंने २००५ में एक उपखंड अधिकारी (एसडीएम) को पिस्तौल दिखाकर धमकाया था। राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा सजा को बरकरार रखने और सुप्रीम कोर्ट से राहत न मिलने के बाद, मीणा ने २१ मई को झालावाड़ जिले की मनोहरथाना अदालत में आत्मसमर्पण किया।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कानूनी सलाह के आधार पर मीणा की सदस्यता रद्द करने की अधिसूचना जारी की। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह निर्णय भारतीय संविधान के अनुच्छेद १९१(१)(श) और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ की धारा ८(३) के तहत लिया गया है।

कांग्रेस ने इस मामले में विधानसभा अध्यक्ष पर पक्षपात का आरोप लगाया था और सुप्रीम कोर्ट में 'कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट' की अर्जी दाखिल की थी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस के दबाव के बाद ही यह कार्रवाई हुई है।

अब अंता विधानसभा सीट रिक्त हो गई है, और चुनाव आयोग द्वारा उपचुनाव की घोषणा की जा सकती है। मीणा की सजा उच्च न्यायालय में रद्द होने की स्थिति में वे पुनः चुनाव लड़ सकते हैं, लेकिन फिलहाल उनकी विधानसभा में कोई भूमिका नहीं रहेगी।

कंवरलाल मीणा का परिचय:

कंवरलाल मीणा भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं और उन्होंने २०२३ में अंता विधानसभा सीट से चुनाव जीतकर विधायक बने थे। उनका राजनीतिक करियर विवादों से घिरा रहा है, विशेषकर २००५ की घटना के कारण, जिसमें उन्होंने एक सरकारी अधिकारी को धमकाया था।

## उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

# सुप्रीम कोर्ट ने भ्रामक विज्ञापनों पर जताई कड़ी नाराज़गी, कहा: अभिनेता शराब, नेता सिगरेट, अफसर रिश्वत और क्रिकेटर सट्टेबाज़ी का करते हैं प्रचार

नई दिल्ली, २३ मई २०२५ – सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए देश में बढ़ते भ्रामक और अनैतिक विज्ञापनों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने कहा कि आज के समय में समाज के प्रभावशाली वर्ग – अभिनेता, राजनेता, अधिकारी और खिलाड़ी – प्रचार माध्यमों के जरिए समाज में गलत संदेश फैला रहे हैं।

कोर्ट ने कहा कि अभिनेता शराब का, नेता सिगरेट का, अफसर रिश्वतखोरी का और क्रिकेटर सट्टेबाज़ी का विज्ञापन करते हैं। ऐसे में आम जनता से नैतिकता की उम्मीद कैसे की जा सकती है?

यह टिप्पणी अदालत ने उस याचिका पर सुनवाई के दौरान की जिसमें बच्चों और युवाओं को प्रभावित करने वाले भ्रामक विज्ञापनों को रोकने की मांग की गई थी। कोर्ट ने केंद्र सरकार और विज्ञापन नियामक संस्थाओं को निर्देश दिया है कि वे इस विषय में एक ठोस नीति बनाएं।

अदालत ने यह भी कहा कि यदि ये नामचीन लोग पैसा कमाने के लिए समाज को गुमराह करने वाले उत्पादों का प्रचार करते हैं तो यह न केवल गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि देश के नैतिक ताने-बाने के लिए भी खतरा है।

इस टिप्पणी के बाद अब उम्मीद जताई जा रही है कि सरकार और नियामक एजेंसियां इस दिशा में जल्द ठोस कदम उठाएंगी। वहीं, सामाजिक संगठनों और बच्चों के अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठनों ने कोर्ट के रुख का स्वागत किया है।

## श्रीक्षेत्र पंढरपुर की श्री विठ्ठल पादुका २५ मई को बीड शहर में पहुंचेगीं

बीड, प्रतिनिधि विशेष

प्रत्येक वर्ष की परंपरा के अनुसार, इस वर्ष भी श्रीक्षेत्र पंढरपुर से श्री विठ्ठल भगवान की मूल पादुका का आगमन २५ मई २०२५, रविवार को शाम ६:०० बजे बीड शहर में होगा। यह पादुका यात्रा श्री मुक्ताईनगर से पंढरपुर की ओर जाते हुए श्री बालाजी मंदिर मंगल कार्यालय, जूना मोंढा रोड, बीड में ठहराव करेगी।

इस पावन अवसर पर बीड शहर और आसपास के क्षेत्रों के सभी श्री विठ्ठल भक्तों से विनम्र अनुरोध किया गया है कि वे इस दिव्य पादुका दर्शन का लाभ उठाएं और भगवान विठ्ठल की भक्ति में सहभागी बनें। भक्तों ने अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहें और पुण्य प्राप्त करें।

# डॉ. मोहम्मद इक़बाल उर्दू गर्ल्स जूनियर कॉलेज लातूर का परिणाम सराहनीय

लातूर, मुस्लिम कबीर

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित १२वीं कक्षा के हालिया परीक्षा परिणामों में डॉ. मोहम्मद इक़बाल एजुकेशन सोसायटी के अंतर्गत संचालित डॉ. मोहम्मद इक़बाल उर्दू गर्ल्स जूनियर कॉलेज, लातूर का प्रदर्शन हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अत्यंत सराहनीय रहा।

इस वर्ष कुल १११ छात्राओं ने परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से

१ छात्रा ने विशेष मेरिट,

२२ ने प्रथम श्रेणी,

४३ ने द्वितीय श्रेणी,

जबकि ४५ छात्राओं ने सफलता प्राप्त की।

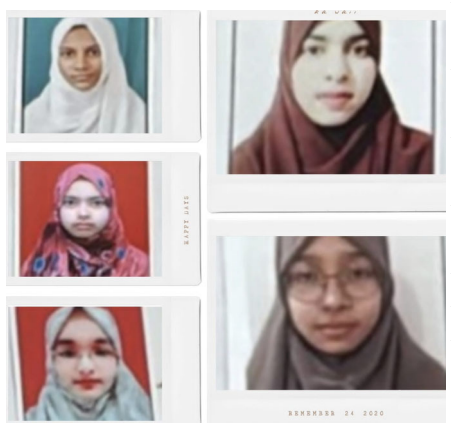

साइंस (इंग्लिश मीडियम) वर्ग में:

शेख ज़हरा चाँद पाशा ने ७३.८३% अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया।

शेख अन्नम साजिद ने ६४.६७% अंकों से दूसरा स्थान और

तंबोली इरम फ़ातिमा ने ६२.८३% अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

साइंस (उर्दू मीडियम) वर्ग में:

सय्यदा उम्मे सलमा तैय्यब अली ने ६०.६७% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

पठान राफ़िया फ़ातिमा महबूब ने ६०.००% अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।

आर्ट्स वर्ग में:

पठान ज़करी समीर ने ८३.१७% अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सय्यदा तहूरा अल्ताफ़ ने ७९.६७% अंकों से दूसरा स्थान और

मेहदी उल-शिफ़ा अब्दुल करीम ने ७४.३०% अंकों से सफलता हासिल की।

कॉलेज की सफलता पर डॉ. मोहम्मद इक़बाल एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष क़ाज़ी मिन्हाजुद्दीन साहब, संस्था की संस्थापक क़ाज़ी सुलताना बेगम, सचिव अशरफ़ ख़ान साहब और उपाध्यक्ष क़ाज़ी युनूस सलीम साहब ने सभी सफल छात्राओं का सत्कार और सम्मान किया। कॉलेज की प्राचार्या क़ाज़ी नाज़नीन मिन्हाजुद्दीन और सभी शिक्षकों ने छात्राओं को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

# मुंबई अग्निशमन दल में केवल ४ मीटर अतिरिक्त ऊँचाई की सीढ़ी के लिए ४० करोड़ रुपये की बर्बादी का मामला?

विशेष प्रतिनिधि, मुंबई

मुंबई अग्निशमन दल ने मौजूदा ६४ मीटर ऊँचाई की सीढ़ी के मुकाबले केवल एक मंजिल (४ मीटर) अधिक ऊँचाई वाली ६८ मीटर की सीढ़ी खरीदने के लिए करीब ४० करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई है, जिससे इस ख़रीदारी को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इस मामले की जांच की माँग बीजेपी प्रवक्ता और पूर्व नगरसेवक भालचंद्र शिरसाट ने मुंबई महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त डॉ. अमित सैनी से की है।

वर्तमान में मुंबई अग्निशमन दल के पास ६४ मीटर ऊँचाई की टर्न टेबल सीढ़ियाँ उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, आपातकालीन परिस्थितियों में ऊँची इमारतों तक पहुंचने के लिए ७० मीटर, ८१ मीटर और ९० मीटर ऊँचाई वाले हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म युक्त वाहन भी मौजूद हैं। इसके बावजूद, अग्निशमन विभाग ने ६८ मीटर ऊँचाई की चार नई सीढ़ियों की खरीद के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू की है।

बताया गया है कि ६८ मीटर की सीढ़ियाँ पूरी दुनिया में केवल एक ही कंपनी – मॅग्रियस जीएमबीएच – बनाती है, जिससे इस खरीदी में प्रतिस्पर्धा का अभाव रहा। इससे पहले भी २०१७-१८ में ६८ मीटर से अधिक ऊँचाई की टर्न टेबल सीढ़ियों के लिए तीन बार निविदा निकाली गई थी, लेकिन हर बार केवल मॅग्रियस कंपनी ने ही बोली लगाई। इसके बाद, महापालिका ने ६४ मीटर सीढ़ी बनाने वाली कंपनियों को भी निविदा प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति दी, जिससे प्रतिस्पर्धा बढ़ी और ६४ मीटर सीढ़ी की कीमत केवल १० करोड़ रुपये में तय हुई।

हालांकि, इस बार अग्निशमन विभाग ने सीधे ६८ मीटर ऊँचाई की सीढ़ी के लिए निविदा मांगी, जिससे अन्य कोई कंपनी इस प्रक्रिया में भाग ही नहीं ले सकी। नतीजतन, एकमात्र कंपनी की मक्तेदारी और कीमतें भी दोगुनी हो गईं। महज ४ मीटर अतिरिक्त ऊँचाई के लिए महापालिका अब ६४ मीटर सीढ़ी की तुलना में दोगुनी राशि – लगभग २० करोड़ रुपये प्रति सीढ़ी – चुकाने जा रही है। भाजपा प्रवक्ता शिरसाट ने अपने पत्र में कहा है कि यह केंद्र सरकार के सीवीसी (सेंट्रल विजिलेंस कमिशन) की निविदा नीति के मार्गदर्शक सिद्धांतों का उल्लंघन है और करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग है। उन्होंने इस मामले की गहन और व्यक्तिगत जांच की मांग की है।

## अहिल्यादेवी होळकर त्रिशताब्दी जयंती पर ३ जिलों में होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम-आ.आशिष शेलार

विशेष प्रतिनिधि, मुंबई

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर की ३००वीं जयंती पूरे राज्य में बड़े उत्साह के साथ मनाई जाएगी। इस ऐतिहासिक अवसर पर नाशिक, पुणे और नागपुर में विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। यह जानकारी महाराष्ट्र के सांस्कृतिक कार्य और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री एडवोकेट आशिष शेलार ने शुक्रवार को दी।

सांस्कृतिक कार्य विभाग की ओर से आयोजित इन कार्यक्रमों में महाराष्ट्र की संस्कृति, परंपरा और इतिहास का गौरव किया जाएगा। नागपुर में २५ मई को शाम ५:३० बजे कविवर्य सुरेश भट सभागृह में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर के जीवन पर आधारित पोवाड़ा, संगीत, नाट्य और अन्य कलात्मक प्रस्तुतियां होंगी।

इसके बाद नाशिक में २७ और २८ मई को गाथा अहिल्यादेवींची, आपल्या संस्कृतीची शीर्षक से दो दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव और नाट्य प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। २८ मई को राजयोगिनी अहिल्यादेवी नामक ऐतिहासिक नाटक का मंचन भी किया जाएगा। ये दोनों कार्यक्रम शाम ६:३० बजे से शुरू होंगे।

पुणे में ३१ मई को बालगंधर्व रंगमंदिर में शाम ६ बजे से कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें शाहिरी पोवाड़ा, मर्दानी खेल, भारूड, वासुदेव और पुण्यश्लोक महानाट्य जैसे विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए जाएंगे। मंत्री शेलार ने बताया कि तीनों जिलों में आयोजित ये सभी सांस्कृतिक कार्यक्रम निशुल्क होंगे और उन्होंने नागरिकों से इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में शामिल होकर आनंद लेने की अपील की है।

## १०० दिवसीय कार्यालयीन सुधारणा कार्यक्रम का परिणाम घोषित: विभागीय स्तर पर औरंगाबाद और ज़िला स्तर पर लातूर को मिला पहला स्थान

मुंबई, २३ मई । विशेष संवाददाता

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की संकल्पना के तहत घोषित किए गए १०० दिवसीय कार्यालयीन सुधारणा कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य के सभी राजस्व विभाग स्तरीय और ज़िला स्तरीय कार्यालयों के बीच आयोजित स्पर्धा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। इसमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कार्यालयों को प्रथम स्थान प्रदान किया गया है।

विभागीय स्तर पर माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय के संचालक (माहिती) कार्यालय, छत्रपती संभाजीनगर (औरंगाबाद) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है, जबकि ज़िला स्तर पर लातूर जिला माहिती कार्यालय को पहला स्थान मिला है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने राज्य के ४० विभागीय कार्यालयों और ४२ ज़िला स्तरीय कार्यालयों की इस स्पर्धा का परिणाम घोषित करते हुए, कार्यालयीन सुधारों के विभिन्न पहलुओं जैसे कि – वेबसाइट सुधार, कार्यालयीन सुविधाएँ, स्वच्छता, शिकायत निवारण, जीवन सुगमता, निवेश को प्रोत्साहन, और तकनीक के उपयोग – जैसे कुल १० बिंदुओं पर किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए सभी क्षेत्रीय अधिकारियों की सराहना की और भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय के प्रधान सचिव तथा महासंचालक बृजेश सिंह ने भी सभी कार्यालय प्रमुखों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई दी है।

विभागीय स्तर के विजेता इस प्रकार हैं:

प्रथम स्थान: संचालक (माहिती) कार्यालय, छत्रपती संभाजीनगर

द्वितीय स्थान: उपसंचालक माहिती कार्यालय, अमरावती

तृतीय स्थान: संचालक (माहिती) कार्यालय, नागपुर

ज़िला स्तर के विजेता कार्यालय:

प्रथम स्थान: जिला माहिती कार्यालय, लातूर

द्वितीय स्थान: जिला माहिती कार्यालय, कोल्हापुर

तृतीय स्थान (साझा): जिला माहिती कार्यालय, सातारा और परभणी

इस उपलब्धि के साथ राज्य के सरकारी कार्यालयों में पारदर्शिता, कुशलता और नागरिकों के लिए सुविधाजनक व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

# डॉ. नरेंद्र काळे मित्र मंडल की ओर से 'फुले' फिल्म का निशुल्क शो आयोजित

अंबाजोगाई। प्रतिनिधि

डॉ. नरेंद्र काळे की पहल पर उनके मित्र मंडल द्वारा २२ मई को अंबाजोगाई स्थित मोहन सिनेमार्क में 'फुले' फिल्म का विशेष नि:शुल्क शो आयोजित किया गया। इस शो को आमंत्रितों की ओर से भारी प्रतिसाद प्राप्त हुआ।

इस विशेष शो के लिए शहर के विभिन्न सामाजिक आंदोलनों से जुड़े युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधियों और पत्रकारों को आमंत्रित किया गया था।

इस अवसर पर डॉ. नरेंद्र काळे ने कहा कि इस उपक्रम का उद्देश्य महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले के जीवन, उनके जाति उन्मूलन और स्त्री शिक्षा के कार्यों को समाज के व्यापक स्तर तक पहुँचाना है।

इस कार्यक्रम में प्रा. नानासाहेब गाठाळ, पूर्व विधायक पृथ्वीराज साठे, अनिकेत लोहिया, राजेसाहेब देशमुख, एस. बी. सय्यद सर, डॉ. राजेश इंगोले, डॉ. राहुल धाकडे, डॉ. (सौ.) सुलभा पाटील, प्राचार्य डॉ. शिवदास शिरसाठ, प्रा. अहिल्या बरुरे, अभिजीत जोंधळे, ॲड. अविनाश धायगुडे, ॲड. शहाजहान पठाण, पाशु मिया सर, संपादक परमेश्वर गित्ते, युवराज दादा काकडे, प्रा. सोनवळकर, मुजीब काझी आदि गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

ज्ञात हो कि डॉ. नरेंद्र काळे राजनीति और समाज सेवा के क्षेत्र में लगातार नवाचारी गतिविधियाँ संचालित करते रहते हैं।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री बी. के. मसने सर, अभिजीत जोशी सर, डॉ. महेंद्रकुमार जाधव, प्रा. राजकुमार साळवे, रणजित मोरे, विश्वास नरवडे, गोविंद टेकाळे, पी. के. चव्हाण और पसलिम शेख ने विशेष प्रयास किए।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com